वार्तालाप नं. – 417, पठानकोट, ता–12.10.07
Disc.CD No.417, dated 12.10.07 at Pathankot
Part-I

समय – 1.44
जिज्ञासू– बाबा, कृष्ण के मात–पिता तो लक्ष्मी–नारायण बनेंगे। तो राधा के मात–पिता कौन बनेंगे?
बाबा – कृष्ण के मात–पिता लक्ष्मी–नारायण बनेंगे। आप कौनसे राधा–कृष्ण की बात कर रहे हैं? सतयुग के कृष्ण–राधा की बात कर रहे हैं या संगमयुगी राधा–कृष्ण की बात कर रहे हैं? शास्त्रों में जिस राधे–कृष्ण का गायन है उसकी बात कर रहे हैं या शास्त्रों में कोई गायन ही नहीं है। बाबा ने हमको बताया है कि सतयुग में राधा–कृष्ण जैसे बच्चे जन्म लेते हैं उनकी बात कर रहे हैं?
जिज्ञासू – जो बाबा ने बताया है।

Time: 1.44
Someone asked: Baba, Lakshmi & Narayan will become the parents of Krishna. Then, who will become the parents of Radha?
Baba replied: Lakshmi & Narayan will become the parents of Krishna. Which Radha and Krishna are you talking about? Are you talking about the Krishna and Radha of the Golden Age or are you talking about the Confluence-aged Radha and Krishna? Are you talking about the Radhey and Krishna who are praised in the scriptures or are you talking about the ones who have not been praised in the scriptures at all? Are you talking about the ones about whom Baba has told us that the children like Radha and Krishna take birth in the Golden Age?
Someone said: The ones who have been mentioned by Baba.

बाबा – सतयुग में जो राधा–कृष्ण जैसे बच्चे पैदा होंगे वो एक माँ–बाप से पैदा होंगे या दो माँ–बाप से पैदा होंगे?
जिज्ञासू – एक ही माँ–बाप से।
बाबा – माना राधा बच्ची कोई अलग माँ–बाप से पैदा हो। कृष्ण बच्चा अलग माँ–बाप से पैदा हो। तो दो कुल हो जायेंगे या एक कुल होगा? सतयुग में राधा अलग परिवार से पैदा हो और कृष्ण अलग परिवार से पैदा हो, तो कुल दो होंगे कि एक कुल होगा? मुरली में तो बोला है राधा चंद्रवंशी और कृष्ण सूर्यवंशी। तो वहाँ सतयुग में दो वंश होंगे? एक ही वंश होगा। तो माँ–बाप भी एक ही वंश के होंगे। और वहाँ विधवा कोई बनता नहीं, विधुर कोई बनता नहीं। वहाँ बचपना ऐसा होता नहीं जो बच्चा 2–3 साल पालने में पड़ा रहे। टट्टी–पेशाब माँ–बाप को साफ करना पड़े। जैसे गाय का बच्चा होता है। जन्म लिया और तुरंत उछलने लगा, दौड़ने लगा। वैसे सात्विक पैदाईश होती है। माँ वहाँ रोएगी बैठकर क्या बच्चे की पैदाईश में? नहीं। आराम से बच्चे की पैदाइश होती है।....

Baba: Will the children like Radha and Krishna who take birth in the Golden Age be born from the same parents or from two separate parents?
Someone said: From the same parents.
Baba said: It means that if daughter Radha is born from a separate set of parents, child Krishna is born from a different set of parents, then will there be two families or one? If, in the Golden Age, Radha is born in a different family and Krishna is born in a different family, then will there be two clans or will there be only one clan? It has been said in the Murli that Radha belongs to the Moon Dynasty (*Chandravanshi*) and Krishna belongs to the Sun Dynasty (*Suryavanshi*). So, will there be two dynasties in the Golden Age? There will be only one dynasty (*vansh*). So, the parents will also belong to only one dynasty. And nobody becomes a widow (*vidhwaa*) or widower (*vidhur*) there. There, the childhood (*bachpanaa*) is not such that the child would keep

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

lying in the cradle (*paalnaa*) for 2-3 years and that the parents will have to clean the excrements and urine (of the child). Take for example a calf. As soon as it takes birth it starts jumping, starts running. In the same way a pure reproduction takes place (in the Golden Age). Will the mother sit and cry there during the birth of a child? No. The birth of a child takes place very comfortably…..

.....तो सतयुग की बात नहीं है। शास्त्रों में जो बातें है वो इस समय संगमयुग की है। माना राधा वाली आत्मा जरूर ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा ने जो कुल स्थापन कर दिया है उस कुल में पल रही होगी। और कृष्ण चंद्रवंशी होगा या सूर्यवंशी होगा? सूर्यवंशी होगा। वहाँ तो वो डायरैक्ट ज्ञान सूर्य से ज्ञान ले रहा होगा। और उसके जो भी फॉलोवर्स होंगे वो भी डायरैक्ट ज्ञान सूर्य से पढ़ाई पढ़ने वाले होंगे। वो ब्रह्माकुमार–कुमारियों से पढ़ाई पढ़ने वाले नहीं होंगे। तो कृष्ण सूर्यवंशी, राधा चंद्रवंशी। कृष्ण तो अपने को ऊँचे कुल का समझेगा या नीचे कुल का समझेगा? ऊँच कुल का। इसीलिए मुरली में बोला – बड़ी मूँझ हो गई है। सूर्यवंशी कृष्ण चंद्रवंशी राधा के यहाँ कैसे जावेगा? जा न सके। तो दोनों कुल मिलकर के एक कैसे हो? बड़ी मुँझान हो गई। अब ये मुँझान दूर होनी है।....

…….So, it is not about the Golden Age. Whatever is mentioned in the scriptures pertains to this time i.e. the Confluence Age. It means that the soul of Radha might be certainly getting the sustenance in the clan established by the Moon of knowledge, Brahma. And will Krishna belong to the Moon Dynasty or the Sun Dynasty? He will belong to the Sun Dynasty (*Suryavanshi*). There he might be obtaining the knowledge directly from the Sun of knowledge. And all his followers will also be the ones who study directly from the Sun of knowledge. They will not be the ones who study from the Brahmakumar-kumaris. So, Krishna belongs to the Sun Dynasty and Radha belongs to the Moon Dynasty. Will Krishna consider himself to belong to a higher clan or will he consider himself to belong to a lower clan? (He will consider himself to belong) to a higher clan. Therefore it has been said in the Murli, There is a great confusion (*moonjh*). How can the *Suryavanshi* Krishna go to the place of *Chandravanshi* Radha? He cannot go. So, how can both the clans come together to become one? It has become an issue of great confusion. Now this confusion has to end….

....ज्यादा बुद्धियोग की पावर किसके पास है सूर्यवंशियों के पास या चंद्रवंशियों के पास है? सूर्यवंशियों के पास बुद्धियोग की पावर ज्यादा है। वो असली बाप को याद करते हैं और चंद्रवंशी? वो तो असली बाप को याद नहीं करते हैं। वो तो ब्रह्मा के थ्रू याद करते हैं। उनकी बुद्धि में गीता का भगवान कौन है? दादा लेखराज ब्रह्मा, कृष्ण की आत्मा। और यहाँ तो हमारी बुद्धि में है कि निराकारी स्टेज वाला शिव शंकर भोलेनाथ ही गीता का भगवान हैं। तो हमारी असली याद और उनकी नकली याद। तो कौन किसके सामने झुकेगा?
जिज्ञासू– नकली को झुकना पड़ेगा।

……Who possess more power of the intellect, the *Suryavanshis* or the *Chandravanshis*? The *Suryavanshis* possess more power of the intellect. They remember the true Father and what about the *Chandravanshis*? They do not remember the true Father. They remember through Brahma. Whom does their intellect consider the God of the Gita? Dada Lekhraj Brahma, the soul of Krishna. And here, it is in our intellect that the God of the Gita is Shiv Shankar Bholeynath, who remains in the incorporeal stage. So, ours is the true remembrance and theirs is the false remembrance. So, who will bow before whom?
Someone said: The false one will have to bow.

बाबा – जरूर चंद्रवंशियों को झुकना पड़े। और किस आधार पर झुकेंगे? बुद्धियोग की पावर से जब हम भगवान को अपने पास खींच सकते हैं तो क्या राधा नहीं खींचेगी? इसीलिए अव्यक्त

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

वाणी में बोला है – "विजयमाला का आह्वान करो।" किसका आह्वान करो? विजयमाला की हेड का। रानी मक्खी को पकड़ लेंगे तो सारी मक्खी अपने आप पीछे–पीछे आ जावेंगी। हमें कोई भागदौड़ नहीं करनी है। मुसलमानों की तरह, क्रिश्चनस् की तरह दरवाजे पर जाकर मंगनी नहीं करनी है। मुसलमान क्या करते हैं? मंगनी करते है ना। तुम्हारी कन्या का हमें हाथ दे दो। सिक्ख लोगों में भी मंगनी चली आई है।....

Baba replied: The *Chandravanshis* will certainly have to bow. And on what basis will they bow? When we can pull God near us with the power of intellect, then will Radha not be attracted? Therefore, it has been said in an *Avyakta Vani*: "Invoke the rosary of victory (*vijaymala*)." Whom should you invoke? The head of the rosary of victory. If you catch the Queen Bee (*rani makkhi*), then all other bees will come behind her automatically. We don't have to run from pillar to post. We do not have to seek (*mangani:* a tradition of seeking a bride's hand in marriage) at the doorsteps (of the bride's family) like the Muslims and the Christians. What do the Muslims do? They seek, don't they? Kindly give us your daughter's hand (in marriage). (The tradition of) *mangani* has been continuing among the Sikhs as well.....

....मुसलमान और क्रिश्चनस् जो है वो सबसे जास्ती पहले संसर्ग–संपर्क में किसके आए? पंजाब में किसका राज्य था? सिक्खों का राज्य था। तो वो सबसे पहले उनके संसर्ग–संपर्क में आए। उनके स्वभाव–संस्कार और उनकी परम्परायें उन्होंने अपना ली; लेकिन हिंदुओं में क्या होता है? हिंदुओं में लड़का वाला लड़की के पास जाता है या लड़की वाले लड़के के पास जाते हैं? लड़की वाला आता है लड़के के पास। वो ऊँच कुल का और वो नीचे कुल की। तो नीच कुल वालों को ऊँच कुल वालों के पास जाना पड़ता है। ये परम्परा कहाँ से पड़ी? ये संगमयुग से परम्परा पड़ी।

..... First of all in whose connection and contact did the Muslims and the Christians come more than anyone else? Whose rule was there in Punjab (at that time)? There was the rule of the Sikhs. So, first of all they came in connection and contact with them. They adopted their nature and *sanskars* and their traditions, but what happens among the Hindus? Among the Hindus, does the bridegroom's family go to the bride's place or does the bride's family go to the bridegroom's place? The bride's family comes to meet the bridegroom. He (i.e. the bridegroom) belongs to a higher clan and she (i.e. the bride) belongs to a lower clan. So, those from the lower clan have to go to those from the higher clan. Where did this tradition start? This tradition started from the Confluence Age.

समय – 8.02
जिज्ञासू – बाबा, बहुत लोग पूछते हैं छोटी मम्मी को एडवान्स में साकार में लाने के लिए कौन निमित्त बनते हैं? अष्टदेव या 108? कोई भी जाकर कोशिश कर सकते हैं क्या?
बाबा – अभी तो बोला। अव्यक्त वाणी में इस प्रश्न का जवाब दे दिया। दो साल से जो अव्यक्त वाणी चल रही है वो खास किसके लिए चल रही है। अष्टदेवों के लिए चल रही है। उनसे बोला है कि आदि में भी तुम बच्चों ने इन दीदी–दादियों का श्रृंगार किया था। पहले गुण रत्नों से श्रृंगार किया था और अब ज्ञान रत्नों से श्रृंगार करेंगे। जो आदि में सो अंत में। तो वहाँ जो भी बड़ी–बड़ी बैठी हुई हैं, सेन्टर इन्चार्ज हैं, ज़ोनल इंचार्ज हैं वो सब दीदी–दादियाँ ही तो हैं। तो उनको कौन पढ़ाई पढ़ाएगा? आदि में जिन्होंने पढ़ाई पढ़ाई होगी वो ही पढ़ाई पढ़ायेंगे। जो रूद्रमाला के मणके हैं उनमें हर धर्म के बीज हैं। सब धर्मों के पूर्वज कहाँ बैठे हुए है?
जिज्ञासू – रूद्रमाला में।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 8.02
Someone asked: Baba, many people ask: who will become an instrument to bring *Choti* Mummy (junior Mummy) to the Advance (Party) in corporeal form? Is it the eight deities or the 108? Can anybody go and try?
Baba replied: It was told just now. This question has been answered in the *Avyakta Vani.* The *Avyakta Vanis* which are being narrated for the last two years are being narrated especially for whom? They are being narrated for the eight deities. They have been told : you children had decorated these Didis and Dadis even in the beginning. Earlier you had decorated (them) with the gems of virtues and now you will decorate (them) with the gems of knowledge. Whatever happened in the beginning will happen at the end. So, all the seniors (i.e. the senior sisters) who are sitting there, the center incharges, zonal incharges, all of them are the Didi and Dadis themselves. So, who will teach them? Those who might have taught in the beginning will themselves teach (now). There are the seeds of every religion among the beads of the rosary of Rudra (*Rudramala*). Where are the ancestors of all the religions sitting?
Someone said: In the rosary of Rudra.

बाबा – रूद्रमाला में भी बारह–बारह के नौ ग्रुप हैं अलग–अलग धर्मों से कनेक्टेड। अलग–अलग धर्मों का छिलका चढ़ा हुआ है। तो जिनपर अलग–अलग धर्मों का छिलका चढ़ा हुआ है उनमें सबसे श्रेष्ठ ग्रुप भी तो कोई होगा। कौन–सा ग्रुप होगा? सूर्यवंशी ग्रुप होगा। उस सूर्यवंशी ग्रुप में से जो पहले आठ मणके हैं वो अलग–अलग हर धर्मों के पूर्वज हैं। वो ऐसी श्रेष्ठ आत्माएं हैं जो ज्यादा से ज्यादा जन्म सुख भोगती हैं। जो ज्यादा योगी होगा सो ज्यादा सहयोगी होगा और जो ज्यादा योगी और सहयोगी दोनों होगा तो ज्यादा जन्म सुख भोगेगा कि नहीं भोगेगा? भोगेगा। इसीलिए मुरली में बोला है – कोई–कोई ऐसे भी बच्चे होते हैं जो 82–83 जन्म भी सुख भोगते हैं। ज्यादा योगी होंगे तो ज्यादा सुख भोगेंगे। जो बहुत योगी होंगे तो उनके सारे पाप कट जावेंगे ना। सारे पाप कट जावेंगे तो धर्मराज की सजा खावेंगे? धर्मराज की सजा ही नहीं खाते हैं। तो वो अष्टदेव जो है वो आठ धर्मों से कनेक्टेड हैं। उनके पूर्वज हैं। तो चंद्रवंश का भी कोई स्पेशल पूर्वज होगा या नहीं होगा?
जिज्ञासू – होगा।

Baba said: Even in the rosary of Rudra there are nine groups of 12 each, which are connected with different religions. They are covered by the peels of the different religions. So, there must also be a highest group among those which are covered by the peels of the different religions. Which group might it be? It will be the group of the *Suryavanshis* . In that group of the *Suryavanshis*, the first eight beads are the ancestors of the different religions. They are such righteous souls, which experience happiness for maximum number of births. The one who is more *yogi* will be more *sahyogi* (helper) and will someone who is more *yogi* as well as *sahyogi* experience happiness for more births or not? He will experience. That is why it has been said in the Murli, there are some such children too who experience happiness for 82-83 births. If they are more *yogis* then they will experience more happiness. All the sins of those who are more *yogis* will be burnt, won't they? When all the sins burn, will they suffer the punishments of Dharmaraj? They do not experience the punishments of Dharmaraj at all. So, those eight deities are connected with the eight religions. They are their ancestors (*poorvaj*). So, will there be or not any special ancestor of the Moon Dynasty?
Someone said – There will be.

बाबा – तो जो चंद्रवंश का स्पेशल पूर्वज होगा उसीने आदि में विजयमाला की हेड को निकाला होगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासू – तो इसका मतलब कि उसके अलावा भी किसी को अगर ईमेल एड्रेस, फोन नंबर या कुछ भी मिला हो तो संदेश देना फालतू हो जाऐगा ना। जो निमित्त बनने वाले है उनको लाने के लिए उसके अलावा और किसी को संदेश देने की इच्छा हो, जा करके उनसे मिलना हो।
बाबा – तो क्या संदेश अभी तक मिला ही नहीं है? बड़ी–बड़ी ब्रह्माकुमारियाँ सारी चोर बाजारी कर रही हैं। संदेश तो मिला हुआ है; लेकिन वो सिर्फ अंदर से बुद्धि में बैठने की बात है। निश्चय बुद्धि बनकर के आगे कदम बढ़ाने की बात है।

Baba said: So, the one who is the special ancestor of the Moon Dynasty must have enabled the head of the rosary of victory (*vijaymala*) to emerge (in knowledge) in the beginning.
Someone said: So, does it mean that if anyone other than her finds the email address, phone number or anything (related to the head of the rosary of victory) then it will be useless to give the message (to the head of the rosary of victory), won't it ? If anyone, other than the person who is going to become an instrument in bringing her (i.e. the head of the rosary of victory), is desirous of giving the message to her, or of meeting her.
Baba said: So, has she not yet received the message at all? All the senior Brahmakumaris are black-marketing (the clarifications) (*chor-baazaari*). She has received the message, but the only question is about (the message) sitting in the intellect from within. It is a question of taking a step forward having become of a faithful intellect.

Part-II

समय – 17.32
जिज्ञासू – बाबा, जैसे मुरली में बोला कि तुम सब बंदर थे। और बाप आए हैं तुम बंदरों को मंदिर लायक बनाने के लिए। तो इसको संगमयुग में कैसे टैली करेंगे?
बाबा – अभी बंदर बुद्धि बने नहीं हैं? दुनियाँ में सबसे जास्ती विकारी ही तो सबसे ज्यादा निर्विकारी बनेंगे। जानवरों में सबसे ज्यादा विकारी कौनसा जानवर होता है? बंदर। तो वो राम के जो भी सहयोगी थे जिनके द्वारा राम राज्य स्थापन किया था , वो दुनियाँ के सबसे जास्ती विकारी बंदर हैं। इसीलिए लोगों ने ये समझ लिया कि पहले दुनियाँ की शुरूवात बंदरों से हुई थी। बाद में धीरे–धीरे डारविन थ्योरी में बताया गया उनकी पूँछ खत्म हो गई। ऐसी तो बात है नहीं।....

Time: 17.32
Someone asked: Baba, for example it was said in the Murlis : all of you were monkeys. And the Father has come to transform you from monkeys (*Bandar*) to the ones who are worthy of worship in temples (*Mandir-laayak*). So, how can we tally this in the Confluence Age?
Baba said: Have you not yet developed a monkey-like intellect? Only those who are the most vicious ones in the world will become the most vice-less ones. Which animal is the most vicious among all the animals? The Monkey. So, the ones who extended cooperation to Ram and through whom the kingdom of Ram was established are the most vicious monkeys of the world. Therefore, the people thought that initially the world began with the monkeys. It was told in the Darwin's theory that their tail gradually vanished later on. It is not like that....

.....बात ये यहाँ साबित होती है। राम और राम के साथ सहयोग करने वाली जो भी आत्माएं हैं वो सब बंदरों की तरह विकारी हैं। ये रूद्रमाला के मणके कोई लूले हैं, कोई लंगडे हैं, कोई काने हैं, कोई बूचे हैं। सब कोई देवता नहीं है। सब विकारी हैं। जाति–जाति के बंदर होते हैं या एक ही जाति के बंदर होते हैं? जाति–जाति के बंदर हैं। कोई में कोध्र ज्यादा है, कोई में लोभ ज्यादा है, कोई में मोह ज्यादा है। अंदर–अंदर समझते भी हैं कि अगर हम इस ज्ञान में न आए होते तो हमने न जाने क्या कर दिया होता। इस ज्ञान ने हमको बांध लिया।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

.....This is proved over here. Ram and all the souls which cooperate with Ram are vicious like the monkeys. Some of these beads of the rosary of Rudra are maimed (*looley*), some are / lame (*langdey*), some are one eyed (*Kane*), some are earless (buce) . All are not deities. All are vicious ones. Are there different kinds of monkeys or is there only one kind? There are different kinds of monkeys. Some have more anger, some have more greed, and some have more attachment (*moh*) in them. They even feel inside: if we hadn't been following this path of knowledge, we don't know what we would have done. This knowledge has tied us.

समय – 30.32
जिज्ञासू – बाबा, पक्के–पक्के सूर्यवंशी कैसे बनते हैं?
बाबा – पक्के–पक्के श्रीमत पर चलते है वो पक्के–पक्के सूर्यवंशी बनते हैं। कच्ची–कच्ची श्रीमत पर चलते हैं तो एक बाप के जगह दूसरा बाप बना लेते हैं। उसकी बात मानने लगते हैं। भगवान भी आ जाए तो भी उसकी बात नहीं मानेंगे।

Time: 30.32
Someone asked: Baba, how does one become a firm *Suryavanshi*?
Baba replied: Those who firmly follow the *Shrimat* become firm *Suryavanshis*. Those who follow the *Shrimat* loosely adopt another father instead of one Father. They start accepting his versions. Even if God comes, they will not accept His versions.

समय – 30.53
जिज्ञासू – बाबा, जैसे मुरलियों में बोला है कि – भगवान जब आते हैं तो वो किसी से पार्शलिटी नहीं करते हैं। तो हम जो इधर वाले बच्चे हैं, हमारे साथ तो पार्शलिटी हो जाती है कि तीन–तीन, चार–चार महीने बाद बाबा हमको मिलते हैं।

Time: 30.53
Someone asked: Baba, for example it has been said in the Murlis that when God comes, He does not show *partiality* towards anyone. But *partiality* takes place with us children living here (in this part of the country) because Baba meets us after (a gap of) three, four months.

बाबा – आप अपने पूर्व जन्मों को देखें। बनी बनाई बन रही अब कछु बननी नाहि। पूर्व जन्मों का जैसा हिसाब–किताब है वैसा ही होगा। भगवान को क्या पड़ी है। वो ऊपर से कुछ लेकर के आता है क्या? उसको क्या पड़ी है पार्शालिटी करने की। हिसाब बना हुआ है। अरे! आप पहले नहीं आऐंगे तो कोई तो पहले आएगा। आप बाद में आए हैं। आप बाद में नहीं आऐंगे तो कोई तो बाद में आएगा। वो भी यही प्रश्न करेगा। अच्छा! सन् 76 में जो पहले–पहले एडवान्स में आ गए। उनकी उल्टी खोपड़ी हो गई। अभी तक विरोधी बने हुए हैं। तो आगे आने से फायदा या बाद में आने से फायदा? जबकि भगवान के महावाक्य हैं – बाद में आने वाले भी लास्ट सो फास्ट जा सकते हैं। तो आप फायदे में है या नुकसान में है?
जिज्ञासू – फायदे में।
बाबा – फिर मेहनत कम करनी पड़ेगी। टाईम कम लगेगा और चले जाऐंगे आगे।

Baba said: Look at your past births. Whatever has been predetermined is being enacted and nothing new is to be enacted. It will be enacted only in accordance to the karmic accounts of the past births. Why should God be concerned about it? Does He bring something from above? What is the necessity for Him to show partiality? The account is already fixed. Arey! If you do not come first, someone else will certainly come first. You came later on. If you do not come later, someone will definitely come later on. He too will raise the same question. OK, those who entered the path of advanced knowledge first of all in 1976 became of an opposing intellect.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

They are still opposing (the father). So, is there benefit in coming earlier or in coming later on? Whereas it is the version of God that those who come later on can also gallop "last so fast", so, are you reaping the benefits or are you in loss?
Someone said: In benefit.
Baba said: Then you will have to make less effort. You will take less time and you will gallop ahead.

समय – 40.18
जिज्ञासू – बाबा, जो संगमयुग के लक्ष्मी–नारायण होंगे जो श्री कृष्ण को जन्म देंगे। तो 1.1.1. कब आएगा?
बाबा – 1.1.1. कब आएगा?
जिज्ञासू – नहीं, जब आएगा। जब श्री कृष्ण.....।
बाबा – उस 1.1.1. का कोई इस हिस्ट्री में गायन होगा?
जिज्ञासू – नहीं होगा।

Time: 40.10
Someone asked: Baba, the Lakshmi & Narayan of the Confluence Age will give birth to Shri Krishna. So, when will 01.01.01 commence?
Baba said: When will 01.01.01 commence?
Someone said: No, when it commences. When Shri Krishna…..
Baba said: Is there any glory about that 01.01.01 in the history?
Someone said: There will not be any glory.

बाबा – 2036 के बाद जब सतयुग आएगा ,100 साल संगमयुग पूरा होने के बाद, तब कोई 1.1.1. आने का मतलब है?
जिज्ञासू – कहने का मतलब ये हैं कि जब 2036 में होगा तो जो श्री कृष्ण के मात–पिता है, लक्ष्मी–नारायण संगमयुगी ता उनके स्टेटस् क्या होंगे?
बाबा – स्टेटस् क्या होगा?
जिज्ञासू – 2036 के बाद।
बाबा – ..... वो सतयुग के मालिक ही रहेंगे और क्या होगा? बच्चे छोटे हैं। माँ–बाप ही वहाँ वज़ीर होते हैं और तो कोई वज़ीर होता ही नहीं है। दुनियाँ भ्रष्टाचारी बनती जाती है तो वज़ीरों की संख्या भी बढ़ती जाती है। सतयुग में तो बाप ही वज़ीर होता है और कोई होता ही नहीं।

Baba said: Is there any meaning in the commencement of 01.01.01 after the commencement of the Golden Age after 2036 i.e. after the completion of the 100 years Confluence Age?
Someone said: I mean to say that when it is 2036, then what will be the status of the parents of Shri Krishna, i.e. the Confluence-aged Lakshmi and Narayan?
Baba said: What will be the status?
Someone said: After 2036.
Baba said:…They will continue to be the Masters of the Golden Age; what else can happen? The children are small. The parents themselves are the Ministers and there is no other Minister at all. When the world goes on becoming unrighteous, the number of Ministers goes on increasing as well. In the Golden Age the father himself is the Minister; there is none other.
……..
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info